उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

विकल्पाधारित क्रेडिट प्रणाली (सी.बी.सी.एस.) पाठ्यक्रम

(2019–20 सत्र से प्रभावी)

आचार्य (एम.ए.) हिंदी

पूर्णांक : 80 + 20 = 100

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र :–

CC-01	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)।
CC-02	प्राचीन एवं भक्तिकालीन हिंदी काव्य।
CC-03	रीतिकालीन हिंदी काव्य।
CC-04	आधुनिक काव्य।
EC-A1	भारतीय काव्यशास्त्र।
EC-B1	भारतीय साहित्य।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र :–

CC-05	हिंदी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से आज तक)।
CC-06	छायावादोत्तर काव्य।
CC-07	नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ।
CC-08	साहित्यालोचन।
EC-A2	विशिष्ट कवि।
EC-B2	तुलसीदास।

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र :–

CC-09	हिंदी उपन्यास एवं कथा साहित्य।
CC-10	अनुवाद सिद्धांत एवं अनुप्रयोग।
CC-11	प्रयोजनमूलक हिंदी।
CC-12	नाटक एवं रंगमंच।
EC-A3	समाचार एवं मीडिया लेखन।
EC-B3	लोक साहित्य

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र :–

CC-13	पाश्चात्य काव्यशास्त्र।
CC-14	भाषा विज्ञान।
CC-15	हिंदी भाषा का विकास।
CC-16	मौखिकी/वाक् परीक्षा।
EC-A4	शोध प्रविधि/राजभाषा हिंदी/गढ़वाली लोक साहित्य।
EC-B4	रामचंद्र शुक्ल

नोट : प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन (आंतरिक परीक्षण) हेतु निर्धारित हैं।

प्रथम सेमेस्टर

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

प्रश्नपत्र**CC-01** हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

इकाई–01

हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा

हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा निर्धारण

इकाई–02

आदिकाल की पृष्ठभूमि एवं नामकरण, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, जैन साहित्य

हिंदी साहित्य के आदिकाल की प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएं।

इकाई–03

पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।

भक्ति आंदोलन, भक्ति काव्य धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य, संतकाव्य धारा (ज्ञानाश्रयी), सूफीकाव्य धारा (प्रेमाश्रयी) रामकाव्य, कृष्ण काव्य धारा।

इकाई–04

उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल–सीमा और नामकरण।

इकाई–05

रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न काव्य धाराएँ (रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध और रीतिमुक्त) प्रमुख प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, रीतिकालीन प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ।

सहायक ग्रंथ सूची :–

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद शुक्ल।
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
3. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1,2) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
4. हिंदी साहित्य की भूमिका –आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
5. हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं0 डॉ. नगेंद्र।
7. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा।
8. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपति चंद्र गुप्त।
9. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. पूरनचंद टंडन/डॉ. विनीता कुमारी।
10. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी।
11. हिंदी साहित्यातिहास की भूमिका (4 खण्ड) – डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित।
12. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह।
13. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. राम सजन पांडेय
14. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – डॉ. बाबू गुलाबराय।

प्रश्नपत्र**CC-02** प्राचीन एवं भक्तिकालीन हिंदी काव्य

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

विद्यापति : विद्यापति पदावली, संपादक– रामवृक्ष बेनीपुरी (शुरु के 20 पद)।

इकाई–2

कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा.– श्यामसुंदर दास (गुरुदेव को अंग, सुमिरन कौ अंग, विरह कौ अंग)।

इकाई–3

मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत, संपा.– आचार्य रामचंद्र शुक्ल (मानसरोदक खंड,नागमती वियोग खंड)।

इकाई–4

सूरदास : भ्रमरगीत सार, संपा.– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद (20 पद, पद संख्या 50–70)

इकाई–5

तुलसीदास : रामचरित मानस, गीता प्रेस गोरखपुर, अयोध्या कांड (आरंभिक 1 से 30 दोहे)

सहायक ग्रंथसूची :–

1. पद्मावती समय – डॉ. किशोरी लाल गुप्त।
2. विद्यापति – डॉ. शिवप्रसाद सिंह।
3. विद्यापति वाग्वैभव – डॉ. रामकुँवर राय।
4. कबीर काव्य मीमांसा – डॉ. रामचंद्र तिवारी।
5. कबीर की कविता – योगेंद्र प्रताप सिंह।
6. कबीरदास विविध आयाम – संपादक प्रभाकर श्रोत्रिय।
7. कबीर एक अनुशीलन – डॉ. रामकुमार वर्मा।
8. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
9. कबीर एक नई दृष्टि – डॉ. रघुवंश।
10. जायसी एक नई दृष्टि – डॉ. रघुवंश।
11. सूरदास – सं. हरबंस लाल शर्मा।
12. सूर की काव्य कला – मनमोहन गौतम।
13. सूरदास – धीरेंद्र वर्मा।
14. गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
15. तुलसीकाव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह।
16. तुलसीदास – डॉ. रामचंद्र तिवारी।
17. तुलसी की साहित्य साधना – डॉ. लल्लन राय।

प्रश्नपत्र**CC-03** रीतिकालीन हिंदी काव्य

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

रीतिकाव्य धारा–सं0 : डॉ. रामचंद्र तिवारी / डॉ. रामफेर त्रिपाठी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)

इकाई–1

केशवदास –प्रारंभ के कुल 20 छंद।

इकाई–2

बिहारी : प्रारंभ के कुल 30 दोहे।

इकाई–3

भूषण : प्रारंभ के कुल 10 छंद।

इकाई–4

घनानंद : प्रारंभ के कुल 15 छंद।

इकाई–5

पद्माकर : प्रारंभ के कुल 10 छंद।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. केशवदास – डॉ. विजयपाल सिंह।
2. केशव और उनका साहित्य – डॉ. विजयपाल सिंह।
3. रामचंद्रिका – डॉ. रामचंद्र तिवारी।
4. बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह।
5. मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी – रामसागर त्रिपाठी।
6. देव और बिहारी – कृष्ण बिहारी मिश्र।
7. बिहारी–बोधिनी – लाला भगवानदीन।
8. बिहारी रत्नाकर – जगन्नाथदास रत्नाकर।
9. हिंदी साहित्य का अतीत, भाग–1, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
10. शिवा बावनी – टीकाकार आनंद मिश्र।
11. भूषण ग्रंथावली – श्याम बिहारी मिश्र एम.ए.।
12. घनानंद कवित्त – सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
13. घन आनंद कवित्त – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि।
14. घनानंद का श्रृंगार काव्य – रामदेव शुक्ल।
15. घनानंद काव्य और आलोचना – डॉ. किशोरी लाल गुप्त।
16. विरह काव्य के प्रणेता कवि घनानंद – प्रो. वैद्यनाथ सिंह।
17. पद्माकर– पंचामृत–सं. पं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
18. रीतिकालीन रीतिमुक्त काव्य में लोकतत्व – डॉ. जगदेव कुमार शर्मा।
19. घनानंद की प्रेमव्यंजना – बच्चनसिंह।

प्रश्नपत्र**CC-04** आधुनिक काव्य (छायावाद तक)

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

भारतेंदु हरिश्चंद्र – गंगा वर्णन (गंगा महिमा)।

इकाई–2

मैथिलीशरण गुप्त – साकेत (नवम् सर्ग)।

इकाई–3

जयशंकर प्रसाद – कामायनी (चिंता, श्रद्धा–सर्ग)।

इकाई–4

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला –सरोज–स्मृति, बादल राग।

इकाई–5

सुमित्रानंदन पंत –रश्मिबंध (परिवर्तन, नौका विहार)।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. भारतेंदु ग्रंथावली – संपा. डॉ. ओमप्रकाश।
2. मैथिलीशरण गुप्त – रेवती रमण।
3. साकेत (महाकाव्य) – मैथिलीशरण गुप्त।
4. साकेत एक अध्ययन – डॉ. नगेंद्र।
5. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त और साकेत – डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित।
6. मैथिलीशरण गुप्त प्रासंगिकता के अंत : सूत्र – डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल।
7. साकेत के नवम् सर्ग का काव्य वैभव – कन्हैया लाल।
8. छायावाद की सही परख पहचान – डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित।
9. कामायनी – डॉ. इंद्रनाथ मदान।.
10. कामायनी का पुनर्पाठ – सं. परमानंद श्रीवास्तव।
11. प्रसाद, निराला, अज्ञेय – डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी।
12. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।
13. निराला की साहित्य साधना (भाग 1,2,3)– रामविलास शर्मा।
14. क्रांतिकारी कवि निराला– बच्चन सिंह।
15. रश्मिबंध– सुमित्रानंदन पंत।
16. प्रसाद, निराला, पंत महादेवी– डॉ. कृष्णदेव शर्मा।
17. सुमित्रानंदन पंत रचनावली।
18. सुमित्रानंदन पंत– डॉ. शेरसिंह बिष्ट।
19. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह।
20. छायावाद – रमेशचंद्र शाह।

प्रश्नपत्र**EC-A1** भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार, काव्य की आत्मा।

इकाई–2

रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

इकाई–3

ध्वनि सिद्धांत– ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।

इकाई–4

अलंकार सिद्धांत– मूल स्थापनाएँ।

रीति संप्रदाय– रीति की अवधारणा एवं स्थापनाएँ, काव्य गुण, रीति एवं शैली।

इकाई–5

वक्रोक्ति सिद्धांत–वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद।

औचित्य सिद्धांत परिचय, भेद तथा महत्त्व।

सहायक ग्रंथ सूची :–

1. भारतीय काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र।
2. भारतीय काव्यशास्त्र एवं काव्य के तत्व– आ. देवेंद्र नाथ शर्मा।
3. भारतीय काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली।
4. भारतीय काव्यशास्त्र – योगेंद्र प्रताप सिंह।
5. हिंदी काव्यशास्त्र के मूलाधार – योगेंद्र प्रताप सिंह।
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान – डॉ. हरिमोहन।
7. भारतीय काव्यशास्त्र – सं0 डॉ. उदयभानु सिंह।
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. गणपति चंद्र गुप्त।
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. रामचंद्र तिवारी।
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. शांति स्वरूप गुप्त।
11. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. सत्यदेव चौधरी।
12. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय।

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त

पूर्णांक : 80 + 20 = 100

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ

भारत–भारती, यशोधरा

अध्ययन बिंदु : द्विवेदी युग और मैथिलीशरण गुप्त, मैथिलीशरण गुप्त का जीवन परिचय साहित्यिक यात्रा, काव्य वैशिष्ट्य राष्ट्रीय भावना (भारत–भारती के विशेष संदर्भ में) नारी भावना (यशोधरा के विशेष संदर्भ में) नवीन प्रयोग, वैष्णव भावना, पारिवारिक दृष्टि (साकेत, उद्‌भावना, महाकाव्यत्व, विरह–वर्णन) भारत–भारती का प्रतिपाद्य एवं काव्य वैशिष्ट्य, यशोधरा का प्रतिपाद्य, काव्य वैशिष्ट्य।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. मैथिलीशरण गुप्त – रेवतीरमण।
2. मैथिलीशरण गुप्त प्रासंगिकता के अंतः सूत्र – डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल।
3. डॉ. नगेंद्र ग्रंथावली – संपा. डॉ. नगेंद्र।

अथवा

जयशंकर प्रसाद

पूर्णांक : 80 + 20 = 100

आँसू, स्कंदगुप्त, काव्य और कला तथा अन्य निबंध

प्रसाद का व्यक्तित्व और कृतित्व, आँसू की पृष्ठ भूमि, व्यष्टि और समष्टि, काव्यगत सौंदर्य, आलंबन और विरह वेदना, प्रसाद की नाट्य कला, स्कंदगुप्त नाटक– अंतर्वस्तु, चरित्रांकन, उद्देश्य एवं मंचीयता। काव्य और कला तथा अन्य निबंध – प्रसाद की निबंध कला का वैशिष्ट्य।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. कामायनी – डॉ. इंद्रनाथ मदान।
2. कामायनी का पुनर्पाठ – सं0 परमानंद श्रीवास्तव।
3. कामायनी पढ़ते हुए – अशोक प्रियदर्शी।
4. कामायनी का परिशीलन – डॉ. महेंद्र कुमार।
5. प्रसाद, निराला, अज्ञेय – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
6. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।
7. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह।
8. जयशंकर प्रसाद : सृष्टि और दृष्टि – डॉ. कल्याणमल लोढ़ा।
9. छायावाद कविता की आलोचना : स्वरूप और मूल्यांकन – ओमप्रकाश सिंह।
10. आँसू – (मूलपाठ एवं समीक्षा) : डॉ. जगदेव कुमार शर्मा।

प्रश्नपत्र**EC-B1** भारतीय साहित्य

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

भारतीय साहित्य का स्वरूप।

इकाई–2

भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

इकाई–3

भारतीय साहित्य में आज के भारत का प्रतिबिंब।

भारतीयता का समाजशास्त्र।

हिंदी साहित्य में भारतीयता के मूल्य

इकाई–4

निम्नलिखित कृतियों का विवेचन एवं अध्ययन किया जाएगा

'हयवदन'– गिरीश कर्नाड (कन्नड़ नाटक)

इकाई–5

'मृत्युंजय'– वीरेंद्र कुमार भट्टाचार्य (असमिया उपन्यास)

'बीच का रास्ता नहीं होता'–पाश (पंजाबी काव्य)

सहायक ग्रंथ सूची :–

1. भारतीय साहित्य – डॉ. मूलचंद गौतम।
2. भारतीय साहित्य की अवधारणा – डॉ. राजेंद्र मिश्र।
3. भारतीय साहित्य तुलनात्मक अध्ययन – इंद्रनाथ चौधरी।
4. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेंद्र।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र**CC-05** हिंदी साहित्य का इतिहास (भारतेंदु युग से आज तक)

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1
आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ।
इकाई–2
भारतेंदु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ
द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ
इकाई–3
छायावादी काव्य : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ
इकाई–4
उत्तरछायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियां–प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता,
समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ,
इकाई–5
हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास–(नाटक, निबंध, उपन्यास, कहानी, संस्मरण–रेखाचित्र, आलोचना, जीवनी एवं आत्मकथा तथा रिपोर्ताज एवं अन्य) ।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा. डॉ. नगेंद्र।
3. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह।
4. हिंदी साहित्य का सुगम इतिहास – गुलाब राय।
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास– रामस्वरूप चतुर्वेदी।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयेंद्र स्नातक।
7. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी।
8. हिंदी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र।
9. हिंदी उपन्यास का विकास – मधुरेश।
10. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी।
11. हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार – डॉ. रामचंद्र तिवारी।
12. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी।
13. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल।
14. हिंदी उपन्यास – गोपालराय।
15. हिंदी आलोचना 20वीं शताब्दी – डॉ. नंद दुलारे वाजपेयी।
16. हिंदी आलोचना – निर्मला जैन।
17. हिंदी नाटक का उद्‌भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा।
18. हिंदी कहानी प्रकृति और संदर्भ – देवीशंकर अवस्थी।
19. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह।
20. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख – डॉ. इंद्रनाथ मदान।
21. हिंदी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख– डॉ. इंद्रनाथ मदान।

प्रश्नपत्र**CC-06** छायावादोत्तर काव्य

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

रामधारी सिंह दिनकर –रश्मिरथी।

इकाई–2

सच्चिदानंद, हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय' –सर्जना के क्षण, नदी के द्वीप।

इकाई–3

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – पोस्टर और आदमी।

इकाई–4

वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' – बादल को घिरते देखा है, सिंदूर तिलकित भाल।

इकाई–5

चंद्र कुंवर बर्त्वाल – 'काफल पाको', 'मेघ नंदिनी'।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. रामधारी सिंह दिनकर व्यक्तित्व एवं कृतित्व– खगेंद्र ठाकुर।
2. दिनकर व्यक्तित्व और रचना के आयाम – सं. गोपाल राय, सत्यकाम।
3. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी।
4. अज्ञेय होने का अर्थ – कृष्णदत्त पालीवाल।
5. आलोचक अज्ञेय की उपस्थिति – कृष्णदत्त पालीवाल।
6. अज्ञेय का कवि और काव्य – राजेंद्र प्रसाद।
7. अज्ञेय का कवि कर्म – रमेशचंद्र शाह।
8. मुक्तिबोध : कविता और जीवन विवेक – चंद्रकांत देवताले।
9. मुक्तिबोध की कविताई – अशोक चक्रधर।
10. नागार्जुन की कविता – अजय तिवारी।
11. नागार्जुन एक लम्बी जिरह – विद्या सिन्हा।
12. भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य संसार – कृष्णदत्त पालीवाल।

प्रश्नपत्र**CC-07** नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश।

इकाई–2

चिंतामणि – भाग–1, रामचंद्र शुक्ल

निर्धारित निबंध : उत्साह, श्रद्धा और भक्ति, कविता क्या है।

इकाई–3

कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता – आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

उत्तराखण्ड में संत मत और संत साहित्य (डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल)

अशोक के फूल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई–4

स्मृति की रेखाएं (संस्मरण/रेखाचित्र) महादेवी वर्मा

इकाई–5

आवारा मसीहा (जीवनी) विष्णु प्रभाकर

सहायक ग्रंथसूची :–

1. मोहन राकेश और आषाढ़ का एक दिन – गिरीश रस्तोगी।
2. आधुनिक नाटक का मसीहा मोहन राकेश – गोविंद चातक।
3. निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल – डॉ. लालता प्रसाद।
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – रामचंद्र तिवारी।
5. साहित्य मनीषी आचार्य रामचंद्र शुक्ल – सं. डॉ. रामचंद्र तिवारी।
6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंधकला और उनके निबंध – डॉ. कृष्णदेव झारी।
7. आचार्य रामचंद्र के श्रेष्ठ निबंध – संपा. सत्यप्रकाश मिश्र/विनोद तिवारी।
8. महादेवी वर्मा – डॉ. उपेंद्र।
9. महादेवी वर्मा संचयन – संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
10. महादेवी वर्मा संस्मरणात्मक रेखाचित्र।
11. महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य – डॉ. मानवेश नाथ दास।
12. आवारा मसीहा – जीवनी के नये आयाम – सविता सक्सेना।
13. आवारा मसीहा – सृजन और मूल्यांकन – जगन्नाथ चौधरी।

प्रश्नपत्र**CC-08** साहित्यालोचन

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

हिंदी आलोचना का उदय

प्रारंभिक हिंदी आलोचना का स्वरूप

इकाई–2

पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिंदी आलोचना,

शुक्लपूर्व हिंदी आलोचना, आचार्य रामचंद्र शुक्ल : सैद्धांतिक चिंतन एवं व्यावहारिक पक्ष

इकाई–3

शुक्लोत्तर हिंदी– आलोचना, स्वातन्त्रयोत्तर हिंदी आलोचना

हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचनात्मक अवधारणाओं और पद्धतियों–प्रतिमानों का अध्ययन।

इकाई–4

हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियाँः काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मार्क्सवादी, मनोविश्लेषणवादी तथा व्यक्तिवादी।

इकाई–5

सौंदर्यशास्त्रीय, प्रभाववादी, शैलीवैज्ञानिक, तुलनात्मक आलोचना।

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, विखंडनवाद।

व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित ग्रंथ–

1. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : कबीर
2. डॉ. रामविलास शर्मा : भाषा और समाज
3. डॉ. नगेंद्र ग्रंथावली – संपा. डॉ. नगेंद्र।

प्रश्नपत्र**EC-A2** विशिष्ट कवि

कबीरदास

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

कबीरदास ग्रंथावली : संपा. श्यामसुंदर दास
अध्ययन बिंदु : कबीरदास और उनका युग, कबीर की रचनाएँ, कबीरदास का व्यक्तित्व, समाज दर्शन, कबीरदास के दार्शनिक विचार, कबीरदास का रहस्यवाद, कबीर की लोकप्रियता, कबीरदास की प्रासंगिकता, कबीरदास की काव्यगत विशेषताएँ, कबीर की भाषा, सबद, रमैनी, उलटबांसी, कबीरदास के प्रतीक, कबीरदास के राम की विशेषता, अजपाजप, सहस्रार, अनहदनाद, सुरति–निरति, उन्मनी अवस्था, षटचक्र।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. कबीर काव्य मीमांसा – डॉ. रामचंद्र तिवारी।
2. कबीर की कविता – योगेंद्र प्रताप सिंह।
3. कबीर– हजारी प्रसाद द्विवेदी।
4. कबीर एक अनुशीलन – डॉ. रामकुमार वर्मा।
5. कबीर एक नई दृष्टि – डॉ रघुवंश।
6. कबीरदास विविध आयाम – सं0 प्रभाकर श्रोत्रिय।
7. कबीर की विचार धार – गोविंद त्रिगुणायत।

अथवा

मलिक मुहम्मद जायसी

पूर्णांक : 80 + 20 = 100

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ

जायसी ग्रंथावली, संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
अध्ययन बिंदु : हिंदी सूफी काव्य परंपरा और जायसी, जायसी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, जायसी की गुरु परंपरा 'सूफी' शब्द की व्युत्पत्तिपरक अवधारणा, मसनवी पद्धति, जायसी का रहस्यवाद, जायसी की दार्शनिक मान्यताएँ, जायसी की काव्यकला, जायसी का विरह–वर्णन, जायसी का प्रेम–निरूपण, जायसी का प्रकृति–चित्रण, पद्मावत का काव्यरूप, पद्मावत की भाषा, पद्मावत अन्योक्ति अथवा समासोक्ति, पद्मावत में भारतीय एवं मसनवी प्रेम पद्धति, पद्मावती और नागमती का चरित्र–चित्रण, जायसी ग्रंथावली में संकलित 'पद्मावत' में खण्ड–विभाजन, बारहमास का वैशिष्ट्य तथा शिख–नख वर्णन, पद्मावत में निहित महत्त्वपूर्ण उक्तियाँ एवं सूक्तियाँ।

सहायक ग्रंथ :–

1. जायसी एक नई दृष्टि – डॉ. रघुवंश।
2. पद्मावत – डॉ. सरोजनी पांडेय।
3. सूफीमत और हिंदी सूफी काव्य – डॉ. नरेश।
4. पद्मावत का अनुशीलन – इंद्रचंद नारंग।
5. त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।

अथवा

सूरदास

पूर्णांक : 80 + 20 = 100

सूरसागर, संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा

अध्ययन बिंदु : सूरदास और उनका युग, सूर की भक्ति–भावना, सूर का दार्शनिक चिंतन, सूर का प्रामाणिक जीवनवृत्त, सूर की प्रामाणिक कृतियाँ, सूरसागर : स्कंधात्मक अथवा संग्रहात्मक कौन अधिक प्रामाणिक, सूर का प्रकृति वैभव, सूर का वात्सल्य, सूर का श्रृंगार वर्णन, भ्रमरगीत पंरपरा में सूर का भ्रमरगीत, गोपियों का प्रेम वर्णन, सहृदयता और वाग्वैदग्ध्य, सूरसागर पर भागवत का प्रभाव, सूरसागर की भाषिक संवेदना, सूरसागर का भाषागत–शिल्प सौंदर्य, सूर की सौंदर्य चेतना, भ्रमरगीत में निर्गुण–सगुण विवाद, सूर के दृष्टकूट पद, सूर साहित्य : रीति साहित्य की प्रयोगशाला, सूर साहित्य में गीतात्मकता, सूरसारावली की प्रामाणिकता, अष्टसखा, वार्ता साहित्य, रास, राधा, मुरली, दधि लीला और दान लीला का प्रतीकार्थ, सूरसागर में प्रगतिशील तत्त्व।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. सूरदास – सं. हरबंस लाल शर्मा।
2. भ्रमरगीत – किशोरी लाल गुप्त।
3. सूर की काव्य कला – मनमोहन गौतम।
4. त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
5. सूरदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
6. सूरदास – धीरेंद्र वर्मा।
7. सूर–सूर तुलसी ससि– डॉ. राकेश गुप्त।
8. भक्ति काव्य यात्रा – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।
9. भक्ति साहित्य – राजमल बोरा।

प्रश्नपत्र**EC-B2** तुलसीदास

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

रामचरितमानस (सुंदरकांड, उत्तरकांड) विनय पत्रिका के प्रथम 20 पद

अध्ययन बिंदु : तुलसी और उनका युग, तुलसीदास का जीवनवृत्त (अंतः साक्ष्य और बाह्य साक्ष्य के आधार पर) तुलसी की प्रामाणिक कृत्तियाँ, विनयपत्रिका में विनय भावना/शीर्षक की सार्थकता, कवितावली में भाव–वैभव और शिल्प–सौष्ठव, मानस का अंगीरस, तुलसीदास में नीतितत्व, तुलसी की भायप भक्ति, मानस के चार मनोहर घाट, तुलसी के काव्य में रामराज्य की अवधारणा, तुलसी का कलिकाल निरूपण, ज्ञान–भक्ति निरूपण, तुलसी काव्य की शैलियाँ, तुलसी का संत–असंत निरूपण, तुलसीदास का दास्य भाव, तुलसीदास की भक्ति भावना, तुलसीदास के दार्शनिक विचार, तुलसीदास का समन्वयवाद, तुलसीदास की नारी विषयक अवधारणा, तुलसीदास काव्य में लोकतत्त्व एवं लोक मंगल, तुलसीकाव्य का शिल्प विधान, तुलसीदास का लोकनायकत्व।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. गोस्वामी तुलसीदास –रामचंद्र शुक्ल
2. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह
3. तुलसीदास – अजय तिवारी
4. तुलसीदास – डॉ. रामचंद्र तिवारी
5. लोक कवि तुलसी – सरला शुक्ल
6. तुलसी की साहित्य साधना – डॉ. लल्लन राय
7. विनय पत्रिका – योगेंद्र प्रताप सिंह
8. कवितावली – योगेंद्र प्रताप सिंह
9. तुलसीदास भक्ति प्रबंध का नया उत्कर्ष – विद्यानिवास मिश्र
10. गोस्वामी तुलसीदास – डॉ. चंद्रिका प्रसाद शर्मा
11. गोस्वामी तुलसीदास – रामजी तिवारी
12. तुलसीदास का काव्य विवेक और मर्यादा बोध – कमलानंद झा

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र CC-09 हिंदी उपन्यासएवं कथा साहित्य

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1
गोदान (उपन्यास) – प्रेमचंद
इकाई–2
मैला आँचल (उपन्यास) – फणीश्वरनाथ रेणु
इकाई–3
डार से बिछुड़ी –कृष्णा सोबती।
इकाई–4
उत्तर बायां है –विद्यासागर नौटियाल।
इकाई–5
कहानियाँ :

1. उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. शतरंज के खिलाड़ी – प्रेमचंद
3. वापसी – उषा प्रियंवदा
4. पोस्ट मैन – शैलेश मटियानी
5. नीली झील – कमलेश्वर
6. दोपहर का भोजन – अमरकांत
7. चीफ की दावत – भीष्म साहनी

सहायक ग्रंथ सूची :–

1. गोदान एक दृष्टि – शैलेश जैदी।
2. प्रेमचंद जीवन, कला और कृतित्व – हसराज रहबर।
3. गोदान – संपादक – राजेश्वर गुरु।
4. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा।
5. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र।
6. हिंदी उपन्यास का विकास – मधुरेश।
7. फणीश्वरनाथ रेणु का साहित्य – डॉ. अंजलि तिवारी।
8. फणीश्वरनाथ रेणु कथा का नया स्वर – भारत यायावर।
9. साहित्यकार और चिंतक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी।
10. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश।
11. हिंदी कहानी : पहचान और परख – डॉ. इंद्रनाथ मदान।
12. कहानी : नई कहानी – डॉ. नामवर सिंह।
13. कहानी का रचना विधान – डॉ. परमानंद श्रीवास्तव।
14. प्रेमचंद की प्रासंगिकता – अमृत राय।

प्रश्नपत्र**CC-10** अनुवाद : सिद्धांत एवं अनुप्रयोग

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–**I** अनुवाद का अर्थ एवं परिभाषा, अवधारणा, अनुवाद की उपयोगिता।

इकाई–**II** हिंदी में अनुवाद की परंपरा एवं अनुवाद का महत्त्व, विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की शैलियां, अनुवादक के गुण।

इकाई–**III** अनुवाद प्रविधि एवं सिद्धांत, अनुवाद के प्रकार एवं अनुवाद की प्रक्रिया।

इकाई–**IV** अनुवाद के विभिन्न रूप– मशीनी अनुवाद, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद, कार्यालयी अनुवाद। मुहावरे एवं लोकोक्तियों का अनुवाद, अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं एवं समाधान।

इकाई–**V** अनुवाद के प्रकार (साहित्यिक अनुवाद) वर्तमान युग में अनुवाद की प्रासंगिकता।

सहायक ग्रंथ सूची :–

1. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं प्रविधि – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
2. अनुवाद : विज्ञान स्वरूप और समस्याएं – डॉ. रामगोपाल सिंह जादौन।
3. अनुवाद अवधारणा और विमर्श – श्री नारायण समीर।
4. अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं – श्री नारायण समीर।
5. अनुवाद और अनुप्रयोग – प्रो. दिनेश चमोला 'शैलेश'
6. व्यावहारिक राजभाषा शब्दकोश – डॉ. दिनेश चमोला।
7. अनुवाद की समस्याएं – जी. गोपीनाथन।
8. अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार – एस.के. शर्मा।
9. काव्यानुवाद की समस्याएं – महेंद्र चतुर्वेदी, डॉ. ओम प्रकाश गाबा।
10. अनुवाद साधना – डॉ. पूरन चंद टंडन।
11. अनुवाद अनुभूति और अनुभव – डॉ. सुरेश सिंहल।
12. अनुवाद विज्ञान – डॉ. नगेंद्र।
13. अनुवाद कला – डॉ. ई विश्वनाथ अय्यर।
14. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं – डॉ. भोलानाथ तिवारी।

प्रश्नपत्र**CC-11** प्रयोजनमूलक हिंदी

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–**I** प्रयोजनमूलक हिंदी : संकल्पना एवं व्यवहार क्षेत्र

- प्रयोजनमूलक हिंदी तात्पर्य, स्वरूप एवं परिभाषाएं
- प्रयोजनमूलक हिंदी उपयोगिता एवं महत्त्व
- प्रयोजनकमूलक हिंदी का अनुप्रयोग
- प्रयोजनमूलक हिंदी के विभिन्न व्यवहार–क्षेत्र
- प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएं

इकाई–**II** कार्यालयी हिंदी

- कार्यालयी हिंदी से तात्पर्य
- कार्यालयी हिंदी की उपयोगिता एवं स्वरूप
- टिप्पण, तात्पर्य एवं भेद
- आलेखन, अर्थ एवं प्रकार

इकाई–**III** राजभाषा हिंदी : विकास यात्रा, राजभाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा नियम 1976 एवं अन्य संवैधानिक उपबंध

इकाई–**IV** पारिभाषिक शब्दावली

- पारिभाषिक शब्दावली, अर्थ एवं स्वरूप
- पारिभाषिक शब्दावली, आवश्यकता एवं महत्त्व
- पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत
- पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएं

इकाई–**V** प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी संस्थाओं का योगदान

- वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग
- केंद्रीय हिंदी निदेशालय
- केंद्रीय हिंदी संस्थान
- केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो

सहायक ग्रंथ सूची :–

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. तेजपाल चौधरी।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. माधव सोनटक्के।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. दंगल झाल्टे।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका : डॉ. कैलाशनाथ पांडेय।
5. प्रयोजनमूलक प्रशासनिक हिंदी : डॉ. दिनेश चमोला 'शैलेश'।
6. अनुवाद और अनुप्रयोग : प्रो. दिनेश चमोला 'शैलेश'।
7. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद : डॉ. राम गोपाल सिंह जादौन।
8. हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद – डॉ. पूरनचंद टंडन।
9. आजीविका साधक हिंदी – डॉ. पूरन चंद टंडन।

प्रश्नपत्र**CC-12** नाटक एवं रंगमंच

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1
नाटक और रंगमंच का स्वरूप
नाट्योत्पत्ति संबंधी विविध मत
इकाई–2
नाट्य अध्ययन का स्वरूप
नाटक का विधागत वैशिष्ट्य
नाटक और रंगमंच का अंतःसंबंध
नाटक में दृश्य और श्रव्य तत्त्वों का समायोजन
नाट्य–भेद
इकाई–3
भारतीय रूपक–उपरूपकों के भेद (सामान्य परिचय)
पारंपरिक नाट्य–रूप : रामलीला, रासलीला, स्वांग, नौटंकी, ख्याल, विदेसिया आदि।
पाश्चात्य नाटक (सामान्य परिचय)
नाट्य–विधान : भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्त्वों का विस्तृत विवेचन
इकाई–4
रंगमंच के प्रकार, रंगशिल्प, रंग संप्रेषण के विविध घटक (मूर्त एवं अमूर्त)
हिंदी नाटक और रंगमंच का संक्षिप्त इतिहास–विकास
नाटक का विकास : भारतेंदु युग, प्रसाद युग, स्वातंत्र्योत्तर काल, नया नाटक।
रंगमंच : लोक–नाट्य (व्यावसायिक, अव्यावसयिक)
पारसी, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, प्रमुख सरकारी रंग संस्थाएँ, नुक्कड़ नाटक।
हिंदी नाट्य–चिंतन – भारतेंदु, जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश।
इकाई–5
निम्नलिखित नाटकों का विवेचनात्मक अध्ययन किया जाएगा, इनमें से व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

1. ध्रुव स्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
2. अंधायुग – धर्मवीर भारती
3. राजमुकुट – गोविंद बल्लभ पंत

सहायक संदर्भ सूची :–

1. हिंदी नाटक आज एवं कल – डॉ. जयदेव तनेजा।
2. हिंदी नाटक का उद्‌भव और विकास – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल।
3. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – डॉ. जयदेव तनेजा।
4. आधुनिक नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश– गोविंद चातक।
5. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह।

प्रश्नपत्र**EC-A3** समाचार एवं मीडिया लेखन

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–**I** समाचार अर्थ एवं परिभाषाएं :–
समाचार के तत्त्व, समाचार लेखन के प्रकार, समाचार लेखन के क्षेत्र में आने वाली समस्याएं एवं समाधान, अच्छे समाचार लेखन की विशेषताएं।

इकाई–**II** मुद्रण माध्यम (प्रिंट मीडिया लेखन) :–
संपादकीय, फीचर लेखन, विज्ञापन, साक्षात्कार, कला, फिल्म व पुस्तक, समीक्षा, वृत्त चित्र लेखन, मुद्रण माध्यम और जन संचार।

इकाई–**III** इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन :–
रेडियो, टेलविजन, वृत्तचित्र निर्माण, लघु फिल्म, फिल्म लेखन, विज्ञापन लेखन : प्रकार एवं प्रविधि, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन की समस्याएं, चुनौतियां एवं समाधान।

इकाई–**IV** सोसियल मीडिया लेखन :–
ई–मेल लेखन, ब्लॉग लेखन, फेसबुक लेखन, व्हाट्सअप लेखन, ट्विटर लेखन, इन्स्टाग्राम, सोसियल मीडिया लेखन की समस्याएं, चुनौतियां एवं समाधान।

इकाई–**V** प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन में बदलती हुई भाषा एवं शब्दावली।

सहायक ग्रंथ सूची :–

1. मीडिया लेखन के सिद्धांत – डॉ. एन.सी.पंत
2. रेडियो लेखन – डॉ. राजेंद्र मिश्र
3. मीडिया लेखन के सिद्धांत – डॉ. चंद्र प्रकाश मिश्र
4. मीडिया विमर्श – रामशरण जोशी
5. फीचर लेखन ..... – डॉ. पूरन चंद टंडन
6. समाचार माध्यम लेखन – गौरीशंकर रैना
7. मीडिया भाषा और संस्कृति – कमलेश्वर
8. प्रयोजनमूलक हिंदी तथा मीडिया लेखन – सं. डॉ. बापूराव देसाई
9. भाषा प्रौद्योगिकी – डॉ. विनोद कुमार
10. भाषा प्रौद्योगिकी – डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित

प्रश्नपत्र**EC-B3** लोक साहित्य

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

लोक, लोकवार्ता और लोक साहित्य, लोकवार्ता : परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र और महत्त्व, लोक साहित्य : परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र और महत्त्व, लोक संस्कृति, लोक संगीत, लोक विश्वास, लौकिक रीतिरिवाज एवं परंपराएँ।

इकाई–2

लोकसाहित्य के विभिन्न रूपों का वर्गीकरण– लोकगाथा (परिभाषा, वर्गीकरण उत्पत्ति तथा विशेषताएँ) ढोला मारु, भरथरी, नल–दमयंती, लैला–मजनूँ, हीर–राँझा, आल्हा।

इकाई–3

लोकगीत – परिभाषा, वर्गीकरण तथा विशेषताएँ, श्रम लोकगीत, संस्कार लोकगीत, ऋतु लोकगीत, देवी–देवताओं से संबंधित लोकगीत।

इकाई–4

लोककथा – परिभाषा, वर्गीकरण तथा विशेषताएँ, लोककथा, व्रत कथा, परी कथा तथा कथानक रुढ़ियाँ।

लोक नाट्य – परिभाषा, वर्गीकरण, उत्पत्ति परंपरा तथा विशेषताएँ, नौटंकी, विदेसिया, रामलीला, रासलीला, भांड़, तमाशा।

इकाई–5

प्रकीर्ण साहित्य – परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, कहावत, लोकोक्ति, मुहावरा, लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, हिंदी साहित्य और भाषा के विकास में लोक साहित्य का योगदान, लोक साहित्य के अध्येताओं का प्रदेय–पं. रामनरेश त्रिपाठी, डॉ. सत्येंद्र, डॉ. श्याम परमार, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, देवेंद्र सत्यार्थी, और डॉ. गोविंद चातक।

सहायक ग्रंथसूची:–

1. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय।
2. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येंद्र।
3. उत्तराखण्ड लोक संस्कृति और साहित्य – डॉ. देवसिंह पोखरिया।
4. लोक साहित्य – डॉ. राजेश श्रीवास्तव 'शंबर'
5. भारतीय लोक साहित्य कोश – डॉ. सुरेश गौतम।
6. मध्य हिमालयी– भगवती प्रसाद नौटियाल।
7. हिंदी का प्रादेशिक लोक साहित्य शास्त्र – डॉ. नंदलाल कल्ला।
8. भारतीय लोक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ. विश्वंभर पांडेय।
9. भारतीय लोक साहित्य – श्याम परमार।
10. गढ़वाली लोक साहित्य का विवेचनात्मक अध्ययन– मोहन लाल बाबुलकर।
11. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. धीरेंद्र वर्मा।
12. रीतिकालीन रीतिमुक्त काव्य में लोकतत्व – डॉ. जगदेव कुमार शर्मा।

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र**CC-13** पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

पाश्चात्य काव्यशास्त्र केप्रमुख चिंतक एवं उनके सिद्धांत।

इकाई–2

प्लेटो के काव्य सिद्धांत, अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत।

इकाई–3

लोंजाइनस की उदात्त अवधारणा, वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत।

इकाई–4

कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत, टी.एस. इलिएट का निर्वेयक्तिकता का सिद्धांत, आई.ए. रिचर्डस का मूल्य सिद्धांत एवं संप्रेषण सिद्धांत।

इकाई–5

शास्त्रीयतावाद, अभिव्यंजनावाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद,नई समीक्षा,उत्तर आधुनिकता।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – निर्मला जैन।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – अधुनातन संदर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेंद्र नाथ शर्मा।
5. हिंदी आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह।
6. संरचनावाद उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र – गोपीचंद नारंग।
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. तारक नाथ बाली।
8. उत्तर आधुनिकता बहु आयामी संदर्भ – पांडेय शशि भूषण शीतांशु।
9. काव्यचिंतन की पश्चिमी परंपरा – डॉ. निर्मला जैन।

प्रश्नपत्र**CC-14** भाषा विज्ञान

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

भाषा एवं भाषा विज्ञान :–

भाषा : भाषा की उत्पति
भाषा : प्रकृति एवं स्वरूप
भाषा विज्ञान : नामकरण एवं परिभाषा
भाषा विज्ञान : अध्ययन की दिशाएं
भाषा विज्ञान का अन्य शास्त्रों से संबंध

इकाई–2

ध्वनि संरचना :–

हिंदी की स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण
ध्वनि गुण और उसकी सार्थकता
स्वर प्रक्रिया और तत्संबंधी नियम
ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं
ध्वनि परिवर्तन के कारण

इकाई–3

रूप, शब्द और पद :–

रूप से तात्पर्य
रूपिम की अवधारणा एवं तात्पर्य
शब्द और अर्थ का संबंध
शब्द निर्माण की प्रक्रिया
शब्द के प्रकार
पद – संकल्पना

इकाई–4

वाक्य संरचना एवं प्रोक्ति विज्ञान :–

वाक्य परिभाषा एवं स्वरूप
वाक्य की संरचना
वाक्य के प्रकार एवं अनिवार्य तत्त्व
वाक्य परिवर्तन के कारण
प्रोक्ति – स्वरूप एवं प्रोक्ति विश्लेषण

इकाई–5

अर्थ संरचना :–

अर्थ की प्रकृति एवं स्वरूप
अर्थबोध के साधन
अर्थ विकास की दिशाएं
अर्थ परिवर्तन के कारण

सहायक ग्रंथ :–

1. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – प्रो. नरेश मिश्र
3. भाषा विज्ञान की भूमिका – प्रो. देवेंद्र नाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

प्रश्नपत्र**CC-15** हिंदी भाषा का विकास

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ– वैदिक और लौकिक संस्कृत, मध्ययुगीन भारतीय आर्य भाषाएँ– पालि,

इकाई–2

प्राकृत और अपभ्रंश : परिचय एवं विशेषताएँ, आधुनिक आर्य भाषाएँ– सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण।

इकाई–3

हिंदी की उपभाषाएँ–पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, बिहारी हिंदी, पहाड़ी हिंदी, राजस्थानी हिंदी आदि का सामान्य परिचय, खड़ी बोली, ब्रजभाषा, अवधी, भोजपुरी की विशेषताएँ।

इकाई–4

हिंदी के विविध रूप – राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा।

इकाई–5

हिंदी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास, लिंग, वचन एवं कारक व्यवस्था।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. हिंदी उद्‌भव, विकास और रूप – डॉ. हरदेव बाहरी।
2. हिंदी भाषा – देवेंद्रनाथ शर्मा।
3. भाषा विज्ञान का रसायन – कैलाशचंद्र पांडेय।
4. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
5. हिंदी भाषा की संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
6. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप – डॉ. राजमणि शर्मा।
7. हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
8. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास – डॉ. उदयनारायण तिवारी।
9. राष्ट्रभाषा हिंदी – समस्याएँ और समाधान – आचार्य देवेंद्र नाथ शर्मा।
10. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु।
11. हिंदी भाषा – डॉ. हरदेव बाहरी।
12. आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं रचना – वासुदेव नंदन।
13. भाषा और समाज – डॉ. रामविलास शर्मा।

प्रश्नपत्र**CC-16** मौखिकी / वाक् परीक्षा – 100 अंक

प्रश्नपत्र**EC-A4** शोध–प्रविधि

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1
शोध : अवधारणा, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, शोध और संचार सिद्धांत, भूमिका, प्रकार्य, क्षेत्र और महत्त्व। शोध के प्रकार। भाषा शोध।
इकाई–2
शोध–प्रविधि : सर्वेक्षण, सामग्री विश्लेषण, केस स्टडी, समूह चर्चा, पैनल चर्चा, द्वितीयक आंकड़ों का विश्लेषण, प्रलेख आधारित शोध और पुस्तकालय शोध।
इकाई–3
साक्षात्कार अनुसूची और प्रश्नावली – उपयोग, लाभ, समस्याएं और इनकी तुलना। साक्षात्कार–अनुसूची और प्रश्नावली की रचना। साक्षात्कार की कला और ध्यातव्य बातें।
इकाई–4
आधार सामग्री संसाधन – संपादन, संवर्ग निर्माण, संकेतीकरण और सारणीकरण।विश्लेषण, व्याख्या और इतिवृत्त लेखन।
इकाई–5
शोध प्रतिवेदन, परियोजना प्रतिवेदन
हिंदी शोध : नैतिक परिदृश्य।

सहायक ग्रंथ सूची :–

1. शोध–प्रविधि – डॉ. विनय मोहन शर्मा
2. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक (संपादक)
3. अनुसंधान का विवेचन – डॉ. उदयभानु सिंह
4. अनुसंधान – डॉ. सत्येंद्र
5. साहित्य, सिद्धांत और शोध – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
6. नवीन शोधविज्ञान – डॉ. तिलक
7. साहित्यिक शोध के सिद्धांत एवं समस्याएँ – डॉ. देवराज उपाध्याय तथा डॉ. रामगोपाल शर्मा
8. अनुसंधान का स्वरूप – डॉ. सावित्री सिन्हा (संपादक)
9. शोध–प्रविधि और प्रक्रिया – रावत तथा खंडेलवाल
10. अनुसंधान के मूल तत्त्व – विश्वनाथ प्रसाद (संपादक)
11. शोध–प्रक्रिया एवं विवरणिका – डॉ. सरनाम सिंह शर्मा 'अरुण'
12. शोध, तत्त्व और दृष्टि – डॉ. रा. खंडेलवाल
13. अनुसंधान और आलोचना – डॉ. नगेंद्र
14. पाठानुसंधान – डॉ. विमलेश कांति वर्मा
15. पाठानुसंधान – डॉ. कन्हैया सिंह
16. कंप्यूटर और हिंदी – डॉ. हरिमोहन

अथवा

राजभाषा हिंदी

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

प्रशासन–व्यवस्था और भाषा। राजभाषा (प्रशासनिक/कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति।

राजभाषा विषयक सांवैधानिक प्रावधान : राजभाषा प्रावधान (अनुच्छेद 343 से 351 तक); राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1961.); राजभाषा अधिनियम, 1963 (यथासंशोधित 1967); राजभाषा संकल्प, 1968 (यथानुमोदित 1991); राजभाषा नियम, 1976।

इकाई–2

राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष : टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, प्रतिवेदन। टिप्पण : लेखन के उद्देश्य, संचिका (पत्रावली/फाइल), लेखन–प्रक्रिया एवं मुख्य अंग, प्रकार।

इकाई–3

प्रारूपण (मसौदा लेखन) : स्वरूप, लेखन के उद्देश्य, पत्राचार, शब्दावली और भाषा–शैली।

प्रशासनिक पत्राचार : सैद्धांतिक संदर्भ और ध्यातव्य बातें। प्रमुख प्रकार और प्रयोग–क्षेत्र : पत्र, स्मरण पत्र, अंतरिम उत्तर, पावती; अर्धसरकारी पत्र, कार्यालय आदेश, आदेश; कार्यालय ज्ञापन, ज्ञापन; परिपत्र; पृष्ठांकन; गजट, अधिसूचना, संकल्प; आवेदन पत्र, निविदा सूचना, सार्वजनिक सूचना, अंतरविभागीय टिप्पणी।

इकाई–4

संक्षेपण : संक्षेपण और सार लेखन, संक्षेपण के प्रकार : निरंतर वृद्धि से संक्षेपण, सारणीबद्ध संक्षेपण। विशेषताएँ एवं उपयोगिता।

प्रतिवेदन : सरकारी बैठकें; नियोजन, आयोजन और संयोजन पक्ष; कार्यसूची और कार्यवृत्त, प्रतिवेदन लेखन का उद्देश्य, प्रकार, ध्यातव्य बिंदु।

इकाई–5

हिंदी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण। प्रशासनिक शब्दावली।

सहायक संदर्भ सूची :–

1. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास – कैलाश चंद्र भाटिया।
2. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव।
3. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा।
4. राजभाषा हिंदी – कैशाल चंद्र भाटिया।
5. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी।
6. प्रयोजनमूलक प्रशासनिक हिंदी – प्रो. दिनेश चमोला 'शैलेश'।
7. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के।
8. पदनाम एवं संक्षिप्ताक्षर : हिंदी अनुवाद का संदर्भ–डॉ. हरीश सेठी।
9. अनुवाद शतक भाग–1 एवं 2, भारतीय अनुवाद परिषद्।

अथवा

गढ़वाली लोक साहित्य

पूर्णांक : 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–**I** गढ़वाली लोक साहित्य का स्वरूप

- गढ़वाली लोक साहित्य
- गढ़वाली भाषा की विकास यात्रा
- गढ़वाली शब्द संपदा एवं अनुप्रयुक्त अर्थभेद।

इकाई–**II** गढ़वाली लोकगीत
गढ़वाली लोकगीतों का वर्गीकरण
मांगलगीत; विवाहगीत; खुदेड़ गीत; होरी गीत; चौमासा गीत; बरहमासा गीत; झुमैलो, झोपती, बाजूबंद, चौफला, थड्या एवं अन्य गीत।

इकाई–**III** गढ़वाली लोक कथाएँ एवं लोक गाथाएं

- लोककथा एवं लोकगाथा से तात्पर्य
- गढ़वाली की पौराणिक गाथाएं, देवी–देवताओं, पशु–पक्षियों, भूत–प्रेतों, परियों, राजा–रानियोंतथा तंत्र–मंत्र की कथाएं।
- कृष्ण संबंधी नागराजा, सिधवा–विधवा, गंगू रमोला एवं निरंकार की गाथाएं।

इकाई–**IV** गढ़वाली पखाणां एवं आंणा (पहेलियां एवं लोकोक्तियां)

- गढ़वाली पखाणां और हिंदी पहेलियों का तुलनात्मक अध्ययन।
- गढ़वाली आणां एवं हिंदी लोकोक्तियों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–**V** गढ़वाली की पौराणिक गाथाएं, गढ़वाली लोक कथाओं के प्रकार।

सहायक ग्रंथ सूची :–

1. गढ़वाली लोक मानस – डॉ. शिवानंद नौटियाल।
2. गढ़वाल के लोकगीत एवं लोक नृत्य – डॉ. शिवानंद नौटियाल।
3. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ. हरिदत्त भट्ट 'शैलेश'।
4. गढ़वाली लोक साहित्य का विवेचनात्मक अध्ययन – डॉ. मोहन लाल बाबुलकर।
5. गढ़वाली लोकगीत एवं सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. गोविंद चातक।
6. गढ़वाली लोकगीत विविधा – डॉ.गोविंद चातक।
7. गढ़वाली लोक गाथाएं – डॉ. गोविंद चातक।
8. गढ़वाली लोकगीत – वीरेंद्र मोहन रतूड़ी।

प्रश्नपत्र**EC-B4** रामचंद्र शुक्ल

पूर्णांक 80 + 20 = 100
क्रेडिट–06

इकाई–1

आधुनिक हिंदी निबंध और आचार्य रामचंद्र शुक्ल, इतिहासकार रामचंद्र शुक्ल, शुक्लयुगीन निबंधकार, शुक्लयुगीन आलोचक, करुणा का केंद्रीय विषय, 'श्रद्धा भक्ति का प्रतिपाद्य',

इकाई–2

शुक्ल जी की दृष्टि में कविता, हृदय की मुक्तावस्था, सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण,

इकाई–3

आचार्य रामचंद्र शुक्ल का साहित्यिक परिचय, हिंदी आलोचना के विकास में रामचंद्र शुक्ल का योगदान,

इकाई–4

आलोचना विषयक शुक्ल जी की मान्यताएँ, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की व्यावसायिक आलोचना,

इकाई–5

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंध दृष्टि, परवर्ती हिंदी आलोचना पर रामचंद्र शुक्ल का प्रभाव, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना के समीक्षक।

सहायक ग्रंथसूची :–

1. साहित्यमनीषी आचार्य रामचंद्र शुक्ल – संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी।
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनके समकालीन आलोचक – डॉ. रामचंद्र तिवारी।
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का चिंतक जगत – कृष्णदत्त पालीवाल।
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के श्रेष्ठ निबंध – संपा. सत्यप्रकाश मिश्र, विनोद तिवारी।
5. रामचंद्र शुक्ल की अलोचना दृष्टि – डॉ. रंजना पाण्डेय।
6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंधकला और उनके निबंध – डॉ. कृष्णदेव झारी।
7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा।
8. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के इतिहास की रचना प्रक्रिया – समीक्षा ठाकुर।
9. रस मीमांसा – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
10. हिंदी आलोचना की परंपरा और रामचंद्र शुक्ल – शिवकुमार मिश्र।
11. निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल – डॉ. लालता प्रसाद।
12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल –डॉ. रामचंद्र तिवारी।